विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 22 जुलाई 2020

वर्ग सप्तम राजेश कुमार पाण्डेय

एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 पर आधारित

संभावित प्रश्नों के उत्तर (PA-1)की तैयारी के लिए।

स्मरणीयम्

1. दो वर्णों के अत्यधिक समीप होने पर उनके मेल से होने वाली परिवर्तन को 'सन्धि कहते हैं।
2. सन्धि के तीन भेद हैं - स्वर सन्धि, व्यञ्जण सन्धि, विसर्ग सन्धि।
3. दो व्यञ्जनों के मेल से होने वाले विकार 'व्यञ्जन - सन्धि कहलाता है।
4. दो स्वरों के मेल से होने वाले विकार 'स्वर - सन्धि कहलाता है।

5. विसर्ग तथा स्वर/ व्यञ्जन के मिलने पर होने वाला परिवर्तन 'विसर्ग – सन्धि' कहलाता है।
6. स्वर - सन्धि के आठ भेद हैं – दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण्, अयादि, पूर्वरूप, पररूप - सन्धि तथा प्रकृतिभाव।
7. दो समान स्वरों के मिलने पर दोनों के स्थान पर एक दीर्घ स्वर हो जाता है, यही दीर्घ सन्धि है।
8. अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो उनके स्थान पर 'ओ' हो जाता है।
9. अ/आ के बाद इ/ई आए, तो उनके (दोनों) स्थान पर 'ए' हो जाता है।
10. अ/आ के बाद ऋ आने पर उनके स्थान पर अर् हो जाता है।